केंद्र ने लगाया ग्लाइफोसेट के उपयोग पर प्रतबिंध

प्रलिम्सि के लयि:

ग्लाइफोसेट, शाकनाशी, कीटनाशक अधनियिम 1968

मेन्स के लयि:

शाकनाशी व कीटनाशकों के उपयोग से संबंधति पर्यावरण और स्वास्थ्य समस्याएँ।

चर्चा में क्यों?

कृषि एवं कसिान कल्याण मंत्रालय ने मनुष्यों और जानवरों के स्वास्थ्य संबंधी खतरों का हवाला देते हुए व्यापक रूप से इस्तेमाल होने वाले **शाकनाशी ग्लाइफोसेट** के उपयोग को **प्रतबिंधति** कर दयिा है।

- नई अधसिूचना में कहा गया है कि कंपनयिों को इसके नरि्माण या बकि्री के लयि प्राप्त होने वाले रसायन के पंजीकरण के सभी प्रमाण पत्र अब पंजीकरण समति को वापस करने होंगे।
- ऐसा न करने पर **कीटनाशक अधनियिम 1968** के तहत उचति कार्रवाई की जाएगी।

ग्लाइफोसेट:

- **परचिय:**
  - ग्लाइफोसेट एक खरपतवारनाशी है तथा इसका IUPAC नाम N-(phosphonomethyl) Glycine है। इसका सर्वप्रथम प्रयोग 1970 में शुरू कयिा गया था। फसलों तथा बागानों में उगने वाले अवांछति घास-फूस को नष्ट करने के लयि इसका व्यापक पैमाने पर उपयोग होता है।
- **अनुप्रयोग:**
  - खरपतवारों को समाप्त करने के लयि इसका प्रयोग पौधों की पत्तयिों पर कयिा जाता है।
- **भारत में उपयोग:**
  - पछिले दो दशकों में **चाय बागान मालकिों** द्वारा ग्लाइफोसेट को अत्यधकि स्वीकार कयिा गया था। पश्चमि बंगाल और असम के चाय उत्पादन क्षेत्र में इसका **बाज़ार** आकार काफी अधकि है।
  - वर्तमान में इसकी **खपत महाराष्ट्र में सबसे अधकि** है क्योंकि यह गन्ना, मक्का और कई फलों की फसलों में एक प्रमुख शाकनाशी के रुप में प्रयोग होता है।

संबंधति चतिाएँ:

- **स्वास्थ्य प्रभाव:**
  - ग्लाइफोसेट के स्वास्थ्य प्रभाव **कैंसर, प्रजनन और वकिासात्मक वषिाक्तता से लेकर न्यूरोटॉक्ससिटिी एवं इम्यूनोटॉक्ससिटिी** से संबंधति होते हैं।
    - इसके लक्षणों में सूजन, त्वचा में जलन, मुँह और नाक में परेशानी, स्वाद में कमी होना और धुँधली दृष्टि होना शामलि हैं।
  - कुल 35 देशों ने ग्लाइफोसेट के उपयोग पर **प्रतबिंध लगा दयिा है या इसे नषिध** कर दयिा है।
    - इनमें श्रीलंका, नीदरलैंड, फ्राँस, कोलंबयिा, कनाडा, इज़रायल और अर्जेंटीना शामलि हैं।
- **अवैध उपयोग:**
  - भारत में ग्लाइफोसेट को केवल चाय के बागानों और चाय की फसल के साथ गैर-रोपण क्षेत्रों में उपयोग के लयि अनुमोदति कयिा गया है। इसके अतरिक्ति पदार्थ का उपयोग अवैध है।
  - हालाँकि देश में ग्लाइफोसेट के उपयोग की स्थति पिर पेस्टसिाइड एक्शन नेटवर्क (PAN) इंडयिा द्वारा वर्ष 2020 के एक अध्ययन में चतिाजनक नष्किर्ष दयि थे, **ग्लाइफोसेट का उपयोग 20 से अधकि फसल क्षेत्रों में कयिा जा रहा था।**
  - खरपतवारनाशी का उपयोग करने वालों में से **अधकिांश ऐसा करने के लयि प्रशकि्षति नहीं थे और उनके पास उचति सुरक्षा सावधानयिाँ नहीं थीं।**

- **खेतों की कृषि पारिस्थितिकि प्रकृति को खतरा:**
  - गैर-निर्दिष्ट क्षेत्रों में ग्लाइफोसेट के बड़े पैमाने पर उपयोग के गंभीर परिणाम हैं।
  - भारत में ग्लाइफोसेट के निरंतर उपयोग की अनुमति देने से **शाकनाशी सहिष्णु फसलों में इसका व्यापक उपयोग होगा।**
  - यह लोगों जानवरों और पर्यावरण पर विषाक्त प्रभाव फैलाने के अलावा भारतीय खेतों की कृषि संबंधी प्रकृति को खतरे में डालेगा।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा विगत वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. भारत में कार्बोफ्यूरन, मिथाइल पैराथियोन, फोरेट और ट्रायज़ोफोस के उपयोग को आशंका के साथ देखा जाता है। इनका उपयोग किया जाता है: (2019)

(a) कृषि में कीटनाशक
(b) प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों में परिरक्षक
(c) फल पकाने वाले कारक
(d) सौंदर्य प्रसाधनों में मॉइस्चराइजिंग कारक

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिये कृषि विभाग, केरल ने वर्ष 2011 से लगभग 17 कीटनाशकों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है।
- प्रतिबंधित कीटनाशकों की सूची:
  - कीटनाशक: कार्बोफ्यूरन, मिथाइल डेमेटन, मिथाइल पैराथियन, मोनोक्रोटोफॉस, फोरेट, मिथाइलमोल, प्रोफेनोफोस, ट्रायजोफोस, एंडोसल्फान
  - कवकनाशक: एमईएमसी, एडफिनफोस, ट्राईसाइक्लाज़ोल, ऑक्सीथियोक्विनॉक्स
  - खरपतवारनाशक: अनिलोफोस, पैराक्वाट, थियोबेनकार्ब, एट्राजीन

अतः विकल्प (a) सही उत्तर है।

स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/center-restricts-use-of-glyphosate